केल्प वनों में गिरावट

हाल के एक अध्ययन से पता चला है कि **जलवायु परिवर्तन के कारण केल्प वनों में कमी आ रही है।**

//

अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष:

- **एकलोनिया रेडिएटा (*Ecklonia radiata*) जो कि दक्षिणी गोलार्द्ध की एक प्रमुख केल्प प्रजाति** है, जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील पाई गई है विशेष रूप से भूमध्य रेखा के निकटवर्ती क्षेत्रों में।
- तापमान में वृद्धि **पूर्वी ऑस्ट्रेलियाई तटरेखा के आस-पास इन प्रजातियों की आबादी में गिरावट** का कारण बन रही है तथा **भविष्य में वैश्विक स्तर पर इसमें और अधिक गिरावट आने की संभावना है।**
- इनका **स्वस्थाने (In situ) संरक्षण संभव नहीं** हो सकता है, लेकिन भविष्य में पुनर्बहाली (Restoration), संकरण (Hybridization) या अनुकूलन (Adaptation) रणनीतियों में उपयोग हेतु कल्चर बैंकों में **बाह्य स्थाने (Ex situ) संरक्षण के माध्यम से इनकी अनूठी आनुवंशिक विविधता को संरक्षित किया जा सकता है।**

केल्प वन:

- **परिचय:**
  - केल्प वन कई अलग-अलग प्रजातियों के **सघन विकास से उथले जल क्षेत्र में निर्मित जल के नीचे के पारिस्थितिक तंत्र हैं।**
  - केल्प **बड़े भूरे रंग के शैवाल होते हैं जो तट के निकट ठंडे,** अपेक्षाकृत उथले जल में पाए जाते हैं।
  - वे समुद्र तल से संबंधित होते हैं और अंततः जल की सतह तक बढ़ते हैं और **खाद्य एवं ऊर्जा उत्पन्न करने के लिये सूर्य के प्रकाश पर निर्भर होते हैं, केल्प वन हमेशा तटीय रेखा** में पाए जाते हैं जिन्हें उथले, अपेक्षाकृत स्वच्छ जल की आवश्यकता होती है।
  - वे **अकशेरूकीय,** मछलियों और अन्य शैवाल की **सैकड़ों प्रजातियों** को जल के अंदर आवास प्रदान करते हैं तथा उनका उच्च पारिस्थितिक और आर्थिक मूल्य है।
- **महत्त्व:**
  - यह **विभिन्न प्रकार के समुद्री जीवों के लिये** एक उचित भोजन स्रोत के रूप में कार्य करता है। तटीय अकशेरूकीय में पाए जाने वाले **60%**

तक कारबन के उत्पादन के लिये केल्प्स ज़िम्मेदार हैं।

- विविधि अकशेरूकीय और मछली पारस्थितिकी तंत्र के रूप में **वे पक्षियों के खुराक हेतु एक आवास के रूप में काम करते हैं।**
- यह तटीय पारस्थितिकी में **कारबन उत्सरजति करता है, जसिसे इसकी उत्पादकता बढ़ती है।** केल्प द्वारा प्राथमकि उत्पादन के माध्यम से नए बायोमास, अपरद (Detritus) और अन्य पदार्थों का उत्पादन कयिा जाता है।

- **प्रमुख केल्प वनों का वैश्वकि वतिरण:**

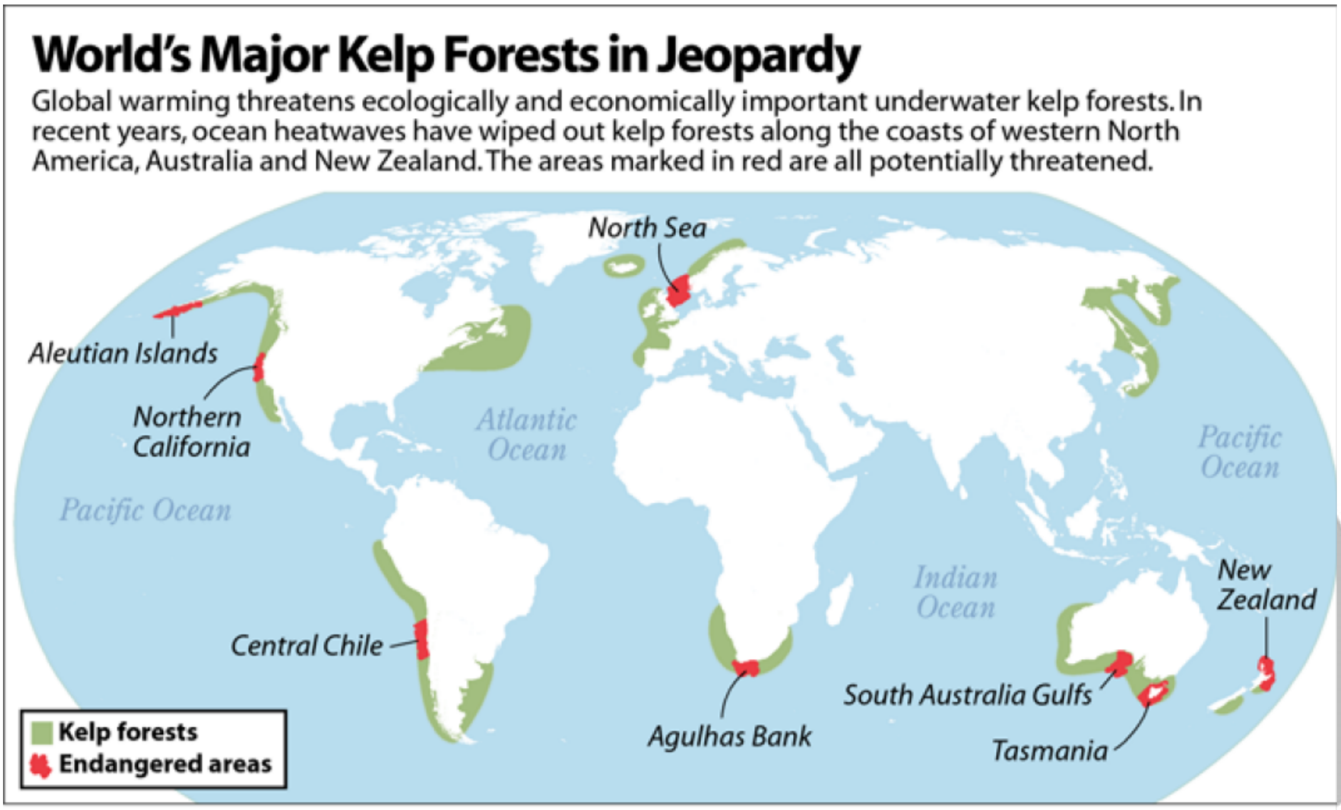

[स्रोत: डाउन टू अरथ]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kelp-forests-on-decline